ये अव्यक्त इशारे

इस अव्यक्ति मास में बन्धनमुक्त रह जीवनमुक्त स्थिति का अनुभव करो

30-01-2026

यदि कोई भी स्वभाव, संस्कार, व्यक्ति अथवा वैभव का बन्धन अपनी तरफ आकर्षित करता है, तो बाप के याद की आकर्षण सदैव नहीं रह सकती। कर्मातीत बनना माना सर्व कर्म बन्धनों से मुक्त, न्यारे बन, प्रकृति द्वारा निमित्त-मात्र कर्म कराना। यह न्यारे बनने का पुरुषार्थ बार-बार करते रहो। सहज और स्वतः यह अनुभूति हो कि ''कराने वाला और करने वाली यह कर्मेन्द्रियाँ'' हैं ही अलग।

In this avyakt month, stay free from bondage and experience the stage of liberation in life

If any type of bondage of nature, sanskar, person or material comfort attracts you, there cannot constantly be remembrance of the Father. To become karmateet means to be free from all bondages, to be detached and to perform actions through matter just in name. Repeatedly continue to make this effort to be detached. Naturally and easily experience that the one who is doing it is separate from the one who is enabling it to be done.